सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 133 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार, 19 जून, 2023

सबसे बड़ा अपराध अन्याय सहना और गलत के साथ समझौता करना है।
-सुभाष चन्द्र बोस

प्रदेश में पुलिस को मिला है फ्री... 8 | 24 तक चलेगा आने-जाने का... 3 | मणिपुर और कश्मीर जाकर हाल... 7

आदिपुरुष के विरोध में देश भर में बवाल

जगह-जगह धरना प्रदर्शन, पुतले फूंके

» सियासत भी गरमाई, सपा, आप व कांग्रेस ने मोदी सरकार को घेरा

» लोगों ने की फिल्म को बैन करने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आदिपुरुष के विरोध में पूरे देश में सड़कों पर लोग आ गए हैं। जगह-जगह फिल्म से जुड़े लोगों के पुतले फूंके जा रहे हैं। इसी के साथ इस पर सियासत भी गर्म हो गई है। सपा, आप, जदयू और कांग्रेस ने इसको लेकर भाजपा सरकार को घेरा है।

आदिपुरुष फिल्म के डायलाग व किरदारों के परिधान व कई तथ्यों के साथ छेड़छाड़ को लेकर उत्तर प्रदेश, मप्र, महाराष्ट्र , छत्तीसगढ़ में हिंदु संगठनों ने जमकर बवाल किया। यूपी के लखनऊ समेत कई शहरों में जमकर धरना प्रदर्शन किए गए। लोगों ने फिल्म पर बैन लगाने की भी मांग की है। वहीं महाराष्ट्र के पालघर में एक मल्टिप्लेक्स के अंदर जमाकर हंगामा हुआ। पालघर के नालासोपारा में स्थित एक हॉल में आदिपुरुष फिल्म की स्क्रिनिंग चल रही थी। इसी बीच कुछ हिंदू संगठनों के सदस्य अंदर घुस आए और जमकर बवाल किया।

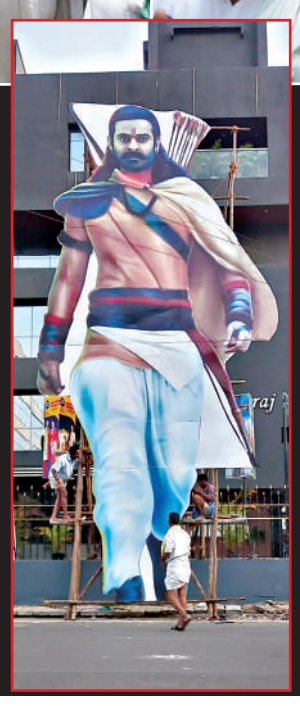

एजेंडेवाली मनमानी फिल्में बनाकर कर रहे आस्था से खिलवाड़ : अखिलेश

समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव भी इस मामले में अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने ट्वीट कर कहा है कि एजेंडे वाली मनमानी फिल्मों को प्रमाण पत्र कैसे दिए जा रहे हैं। सेंसर बोर्ड पर भी उन्होंने गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा है कि एजेंडेवाली मनमानी फिल्में बनाने वालों को सेंसर बोर्ड का प्रमाणपत्र देने से पहले उनके 'राजनीतिक-चरित्र' का प्रमाण पत्र देखना चाहिए। ट्वीट में तीखा तंज कसते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि जो राजनीतिक आकाओं के पैसे से एजेंडेवाली मनमानी फिल्में बनाकर लोगों की आस्था से खिलवाड़ कर रहे हैं, उनकी फिल्मों को प्रमाण देने से पहले उनके राजनीति चरित्र का प्रमाण पत्र देखना चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि क्या सेंसर बोर्ड धृतराष्ट्र बन गया है।

फिल्म में हिंदुत्व का तमाशा बनाया गया : राउत

राज्यसभा सांसद व शिवसेना उद्धवगुट के नेता संजय राउत ने भी आदिपुरुष फिल्म के विरोध का समर्थन किया है। इसपर उन्होंने कहा कि फिल्म में हिंदुत्व का तमाशा बनाया गया है।

फंडिंग के लिए राम नाम को गिरवी रखा : नेहा सिंह

सोशल मीडिया पर दर्शक फिल्म के डायलॉग लिखने वाले लेखक मनोज मुंतशिर पर भड़ास निकाल रहे हैं। इसी बीच लोक गायिका नेहा सिंह राठौर ने तंज कसते हुए मनोज मुंतशिर के लिए गीत लिख दिए हैं। गाने का टाइटल है धत्त तेरी की.... खीडियो को ट्विटर पर शेयर करते हुए मनोज मुंतशिर को टैग किया है। गाने के जरिए नेहा सिंह राठौर ने राइटर मनोज मुंतशिर पर राम के नाम पर फंडिंग पाने की और राम नाम को गिरवी रख कर पैसा कमाने की बात कही है। वहीं एक और ट्वीट में उन्होंने अपना गुस्सा जाहिर कर कहा-मुंतशिर ने जो किया सो किया, सेंसर बोर्ड ने ऐसी फिल्म को रिलीज कैसे हो जाने दिया? क्या एक दो कौड़ी का घटिया लेखक और लीचड़ आदमी इतनी बड़ी संस्था पर इसलिए भारी पड़ गया क्योंकि वो सरकार का लाडला चाटुकार है।

बदले जाएंगे फिल्म के डायलॉग : मुंतशिर

बता दें कि विरोध के बाद फिल्म मेकर्स ने बड़ा फैसला लिया है। इस फिल्म के उन डायलॉग्स को बदला जाएगा जिस पर आपत्ति जताई जा रही है। मनोज मुंतशिर ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी और लिखा, मैंने और फिल्म के निर्माता-निर्देशक ने निर्णय लिया है, कि वो कुछ संवाद जो आपको आहत कर रहे हैं, हम उन्हें संशोधित करेंगे और इसी सप्ताह वो फिल्म में शामिल किए जाएंगे।

गीता प्रेस को गांधी शांति पुरस्कार देने पर सियासी घमासान

» फैसले पर भड़की कांग्रेस कहा-ये सम्मान नहीं, ये उपद्रव जैसा कदम

» गीता प्रेस को मिलेंगे 1 करोड़ रुपये

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गोरखपुर की गीता प्रेस को केंद्र द्वारा 2021 का गांधी शांति पुरस्कार देने पर सियासत गरमा गई है। कांग्रेस ने इस पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस ने केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि ये सम्मान नहीं, ये उपद्रव जैसा कदम है।

गीता प्रेस को मिले इस पुरस्कार में 1 करोड़ रुपये का नकद इनाम, एक प्रशस्ति पत्र, एक पट्टिका और एक उत्कृष्ट हथकरघा वस्तु शामिल है। इससे पहले इसरो और रामकृष्ण मिशन जैसे संगठन को भी यह पुरस्कार मिल चुका है। दुनिया के सबसे बड़े प्रकाशकों में से एक, गीता प्रेस की स्थापना 1923 में हुई थी। केंद्रीय मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, इसने 14 भाषाओं में 417 मिलियन पुस्तकें प्रकाशित की हैं, जिनमें 162 मिलियन श्रीमद भगवद गीता शामिल हैं।

सावरकर और गोडसे को पुरस्कृत करने जैसा : जयराम रमेश

दरअसल, केंद्र ने अहिंसक और अन्य गांधीवादी तरीकों के माध्यम से सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तन की दिशा में उत्कृष्ट योगदान के लिए गीता प्रेस को पुरस्कार देने का फैसला किया। इसके विरोध में कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने ट्वीट किया-गीता प्रेस को गांधी शांति पुरस्कार 2021 देना सावरकर और गोडसे को पुरस्कृत करने जैसा है। ये फैसला एक उपहास की तरह है। जयराम ने अक्षय मुकुल द्वारा लिखित गीता प्रेस एंड द मेकिंग ऑफ हिंदू इंडिय का कवर पेज भी साझा किया और तर्क दिया कि ये किताब बहुत अच्छी जीवनी है।

कांग्रेस में अब माओवादी मानसिकता के लोग : रविशंकर

नई दिल्ली। गीता प्रेस को गांधी शांति पुरस्कार मिलने पर कांग्रेस की प्रतिक्रिया कि बाद भाजपा ने भी अब पलटवार करने में देरी नहीं लगाई। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा,कांग्रेस से क्या उम्मीद की जा सकती है जिसने राम मंदिर निर्माण की राह में रोड़े अटकाए? जो तीन तलाक का विरोध करती है, गीता प्रेस को गांधी शांति पुरस्कार पर उनकी टिप्पणी से ज्यादा शर्मनाक और क्या हो सकता है? हम इसकी निंदा करते हैं। मैं भारी मन से कहना चाहता हूं कि देश पर शासन करने वाली पार्टी में अब माओवादी मानसिकता वाले लोग हैं, वे राहुल गांधी के भी सलाहकार हैं और इसका पूरे देश को विरोध करना चाहिए।

रमेश के बयान पर कांग्रेस असहमत

सूत्रों से जानकारी मिली है कि गीता प्रेस को गांधी शांति पुरस्कार के विरोध में जयराम रमेश के ट्वीट से कांग्रेस के कुछ वरिष्ठ नेता सहमत नहीं हैं। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता के मुताबिक, गीता प्रेस को लेकर जयराम रमेश का बयान गैर जरूरी है, हिन्दू धर्म के प्रचार प्रसार में गीता प्रेस की बड़ी भूमिका रही है, जयराम रमेश को ऐसा बयान देने से पहले अंदरूनी चर्चा करनी चाहिए थी।

यूपी में बिजली-स्वास्थ्य सेवाएं चरमराईं : अखिलेश

» बोले-बलिया में लू से मौतें दुर्भाग्यपूर्ण

» लोकसभा सीटों के आधार पर मंथन शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में व्यवस्था चरमरा गई है। लोग बिजली और स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली का शिकार हो रहे हैं। गर्मी और लू से प्रदेश में मौतें हो रही है पर सरकार बस वादे कर रही है। पूर्व सीएम ने कहा स्वास्थ्य सेवाएं ध्वस्त हैं और बिजली व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त है। भीषण गर्मी और लू से आम जनता बेहाल है। गर्मी और लू से बलिया जिला अस्पताल में 24 घंटे में 36 मौतें होना दुर्भाग्यपूर्ण है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने अपने छह साल के कार्यकाल में एक भी बिजलीघर नहीं बनाया और न ही एक यूनिट बिजली का उत्पादन बनाया। आज जो बिजली मिल रही है, वो समाजवादी पार्टी की सरकार के समय में बने पॉवर प्लांट के उत्पादन से ही मिल रही है।उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री हर दिन बड़-बड़े दावे करते हैं, लेकिन सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में आवश्यक दवाएं ही नहीं हैं। अब जब पूरा प्रदेश भीषण गर्मी और लू में तप रहा है, तब बिजली संकट होना सरकार की विफलता है। भाजपा सरकार बिजली संकट और स्वास्थ्य के क्षेत्र में पहले से तैयारियां करती तो आज जनता को गर्मी में नहीं उबलना पड़ता।

सपा ने चुप-चाप लोकसभा चुनाव के लिए तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी अब तक अपने करीब 10-12 नेताओं को मैदान में उतारने का संकेत दे चुकी है। सूत्रों से जानकारी मिल रही है कि पार्टी अगस्त-सितंबर तक सभी उम्मीदवार फाइनल कर देगी। पार्टी की जिलेवार बैठकों का भी मुख्य उद्देश्य यही फीडबैक लेना है कि संबंधित सीटों पर किस नेता का चयन कैसा रहेगा? इन बैठकों से पार्टी नेतृत्व स्थानीय स्तर पर उस नेता के पक्ष में अधिकतम संभव सहमति बनाने का प्रयास भी कर रहा है जो उनके लिहाज से जिताऊ हो सकता है। सिलसिलेवार कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर जिन जिलों में लगाए जा रहे हैं, वहीं ये बैठकें पार्टी मुख्यालय पर उस क्षेत्र विशेष के लोगों को बुलाकर भी हो रही हैं। सूत्रों के मुताबिक, लोकसभा की मैनपुरी, कन्नौज, आजमगढ़ और फिरोजाबाद सीटें मुलायम परिवार के बीच ही रहेंगी। अलबत्ता इस लिहाज से बदायूं सीट को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। बदायूं से धर्मेंद्र यादव सांसद रह चुके हैं, पर वर्तमान में यहां से सपा के फायर ब्रांड नेता स्वामी प्रसाद मौर्य की बेटी संघमित्रा सांसद हैं। संघमित्रा भाजपा के टिकट पर जीती थीं। मुरादाबाद से उसके मौजूदा सांसद एसटी हसन ही आगामी चुनाव लड़ेंगे। बलिया, मऊ, लखीमपुर खीरी और डुमरियागंज में भी पार्टी नेतृत्व इशारा कर चुका है।

सपा सरकार के बनाए बिजली घर से मिल रही बिजली

पूर्व मुख्य सचिव के निधन पर जताया दुःख

सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने यूपी के पूर्व मुख्य सचिव अखंड प्रताप सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। ज्ञात हो कि उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव अखंड प्रताप सिंह का रविवार की सुबह दिल्ली में निधन हो गया। वह 79 वर्ष के थे। वर्ष 1967 बैच के आईएएस अधिकारी अखंड प्रताप सिंह ने गृह विभाग के प्रमुख सचिव समेत तमाम महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दी थीं। उनकी पुत्री जूही सिंह वर्तमान में समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं।

जल्द सभी टिकट होंगे फाइनल : शिवपाल

सूत्रों का यहां तक कहना है कि 10-12 सीटों पर नेताओं से औपचारिक रूप से लड़ने की तैयारी करने के लिए कह दिया गया है। इस बारे में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने कहा कि हम चुनाव की तैयारी कर रहे हैं। अगस्त-सितंबर तक अपने सभी टिकट फाइनल कर देंगे, ताकि उम्मीदवारों को तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल सके।

सपा के लिए पीडीए का मतलब परिवार दल एलाइंस है : मायावती

» बिजली की व्यवस्था करने में सरकार फेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख केपीडीए को बसपा सुप्रीमों ने केवल तुकबंदी बताते हुए उन पर जमकर हमला किया है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) की अपने ही ढंग से परिभाषा की है। उन्होंने ट्वीट करते हुए कहा कि सपा द्वारा एनडीए के जवाब में पीडीए का राग अलापा जा रहा है। इन वर्गों के अति कठिन समय में भी केवल तुकबंदी के सिवा और कुछ नहीं है।

मायावती ने कहा कि इनके पीडीए का वास्तव में अर्थ परिवार दल एलाइंस है जिससे स्वार्थ में यह पार्टी सीमित है। इसलिए इन वर्गों के लोग जरूर सावधान रहें। बता दें कि बीते दिनों एक चैनल से बातचीत में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने

कहा था कि 2024 के लोकसभा चुनाव में एनडीए को पीडीए हराएगा। जिस पर बसपा प्रमुख ने टिप्पणी की है। मायावती ने बिजली की स्थिति पर भी निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि यूपी में पिछले कई दिनों से जारी गर्मी की आफत में राजधानी समेत प्रदेश में बिजली की जबरदस्त कमी हो रही है। इससे लोग त्रस्त हैं। बलिया सहित अन्य जिलों से मौत की खबरें अति दुखद हैं। सरकार बिजली व्यवस्था सुधारे और अस्पताल में बिजली कटौती न करे।

नर्क में जाएं विस चुनाव : फारूक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू कश्मीर। नेशनल कांफ्रेंस के पूर्व अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद लोकसभा डॉ. फारूक अब्दुल्ला पत्रकारों के एक सवाल पर भड़क गए। विधानसभा चुनाव के बारे में पूछे गए सवाल पर कहा कि नर्क में जाएं विधानसभा चुनाव। अनुच्छेद 370 हटाने पर कहा कि आप को अनुच्छेद की पड़ी है और लोग मर रहे हैं। फारूक ने कहा कि मैं पार्लियामेंट कमेटी का सदस्य हूं।

हमने कमेटी में ये सवाल उठाया और गुजारिश की है कि जम्मू-कश्मीर के लोग चावल खाने वालों में से हैं। वहां पर लोग उसके लिए परेशान है, इस बाबत उम्मीद है कि कमेटी कोई निर्णय लेगी। उन्होंने कहा अमरनाथ यात्रा कश्मीर में सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल है। इस यात्रा का घाटी के लोगों ने हमेशा स्वागत किया है और हर बार बेसब्री से इंतजार करते हैं। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान यहां के लोग जो कमाते हैं उसके पूरा साल खर्च करते हैं।

मप्र में भाजपा विधायक ने सांसद को कहा राक्षस

» नारायण त्रिपाठी के निशाने पर अपनी ही पार्टी के एमपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सतना। आए दिन पार्टी से बगावती तेवर दिखाने वाले मैहर के भाजपा विधायक नारायण त्रिपाठी ने सतना सांसद गणेश सिंह के ऊपर जमकर हमले बोले। भड़ास निकालते हुए उन्होंने कह दिया कि हमारे सभी लोकार्पण के कार्यक्रम में जाकर सांसद अपनी वाहवाही लूट रहे हैं। वह बताएं कि उन्होंने केंद्र की कौन-सी योजना का लाभ मैहर को दिलाया है।

उनका यह बर्ताव मेरे बर्दाश्त के बाहर है। मैं इस तरह के राक्षसों का विनाश करने के लिए ही राजनीति में आया हूं। मामला मैहर अस्पताल में नवनिर्मित ट्रॉमा सेंटर का है। विधायक नारायण त्रिपाठी और नगर पालिका अध्यक्ष गीता सोनी उद्घाटन कार्यक्रम में पहुंचे थे। तभी सतना सांसद

गणेश सिंह ने विधायक को फोन लगाकर प्रोटोकॉल की याद दिला दी। इस पर विधायक बिफर गए। उन्होंने मंच से कहा कि गणेश सिंह अपनी आदत से बाज आ जाएं नहीं तो परिणाम बुरे होंगे। आज तक सांसद ने मैहर के लिए कोई भी कार्य नहीं किया है और लोकार्पण व उद्घाटन कार्यक्रमों में राजनीतिक नौटंकी करते हैं। ये केंद्र की योजना नहीं है। स्टेट की योजना में सांसद अड़ंगा न डालें।

सुरक्षा का जिम्मा छोड़ साजिश में लगे एलजी : केजरीवाल

» दिल्ली में महिला सुरक्षा को लेकर सीएम के निशाने पर उपराज्यपाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में महिला सुरक्षा को लेकर आम आदमी पार्टी और भाजपा में जुबानी जंग शुरू हो गई है। आरकेपुरम में दो महिलाओं की मौत के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने तुरंत ट्वीट कर दोनों महिलाओं के परिवार के प्रति संवेदना जाहिर की है। साथ ही दिल्ली के उपराज्यपाल पर निशाना साधा। कहा कि दिल्ली के लोग अपने आप को बहुत असुरक्षित महसूस करने लगे हैं।

जिन लोगों को दिल्ली की कानून व्यवस्था संभालनी है, वो कानून व्यवस्था ठीक करने के बजाय पूरी दिल्ली सरकार पर कब्जा करने के षड्यंत्र कर रहे हैं। अगर दिल्ली की कानून व्यवस्था एलजी की बजाय

सोशल मीडिया पर आप-भाजपा में घमासान

आप सरकार के अधीन होती तो दिल्ली सबसे सुरक्षित होती। मुख्यमंत्री के इस ट्वीट के बाद तुरंत भाजपा का ट्वीट आया कि केजरीवाल महिला सुरक्षा पर सिर्फ ज्ञान देंगे या समाधान भी। मुख्यमंत्री का ट्वीट आते ही सोशल मीडिया पर घमासान मच गया। आम आदमी पार्टी और भाजपा समर्थकों ने जमकर महिला सुरक्षा को लेकर मैसेज और वीडियो ट्वीट किया। एक वीडियो में एक निजी चैनल से बातचीत में मुख्यमंत्री यह कहते दिख रहे है कि तत्कालीन मुख्यमंत्री शीला दीक्षित बेबस मुख्यमंत्री है। एक मुख्यमंत्री के पास कई पावर होते हैं। दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था को हम ठीक कर दिखाएंगे। विधानसभा में कहते दिख रहे है कि महिला सुरक्षा का समाधान है हमारे पास। वूमन एंड चाइल्ड डेवलॉपमेंट विभाग सरकार के पास है। जिस तरह से बसों में मार्शल तैनात है उसी तरह से मोहल्ला में मार्शल की तैनाती होगी।

लोगों का मन या दिमाग सरकार नहीं बदल सकती : मीनाक्षी लेखी

केंद्रीय राज्यमंत्री मीनाक्षी लेखी ने कहा कि पुलिस की कार्रवाई अपराध होने के बाद शुरू होती है। अपराध होते ही पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी और एफआईआर दर्ज हो गई है। अपराधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है। दोनों महिलाओं के बीच सरकार ने दुश्मनी नहीं कराई है। दोनों महिलाओं का झगड़ा पैसों की लेनदेन में हुआ। लोगों का मन या दिमाग सरकार नहीं बदल सकती है। प्रदेश भाजपा ने अरविंद केजरीवाल के ट्वीट के बाद अपने ट्वीटर हैंडल से पोस्ट किया कि ऐसे संवेदनशील मुद्दे पर भी आरोप लगाने का काम तुम जैसा ही धूर्त कर सकता है। केजरीवाल महिला सुरक्षा पर लंबा चौड़ा ज्ञान तुमने दिया था। कहां गया वो ज्ञान?

24 तक चलेगा आने-जाने का दौर

» भाजपा-कांग्रेस में पाला बदल रहे नेता
» अपने-अपने हिसाब से ठौर की तलाश
» कुनबा बढ़ाने में भी जुटे सियासी दल
» अभी से सियासी पार्टियों की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जैसे-जैसे 24 के चुनाव नजदीक आने की आहट सुनाई दे रही है। सियासी दलों व नेताओं की आवाजाही शुरू हो गई। अपने-अपने आंकलन के हिसाब से नेता दल बदल रहे हैं। जिस दल में नेता पहुंच रहे वो कह रही इसका लाभ मिलेगा तो जिसकी पार्टी से गया है वह उसको नकारा बता रही है। ये दलबदल वाले कितना फायदेमंद रहे वो तो चुनाव परिणाम ही बताएंगे पर इसमें कोई संदेह नहीं कि चुनाव आते-आते कई सियासी पुजारी अपना मठ बदलते नजर आएंगे। ऐसी नहीं कि दलो में भगदड़ होगी। गठबंधनों से भी लोग भाग रहे हैं। ताजा मामला जीतन राम मांझी का जिन्होंने बिहार में गठबंधन से नाता तोड़ दिया हैं वहीं मध्य प्रदेश में पूर्व सीएम कैलाश जोशी के पुत्र ने भी भाजपा को त्यागकर कांग्रेस का हाथ थाम लिया है। अभी सियासत का ऊंट कई करवटें लेगा क्योंकि विधान सभा के चुनाव भी आने वाले हैं। विपक्षी दल किसी भी तरह से भाजपा को सत्ता से बाहर करने में जुटे हैं, इसके लिये विपक्षी दलों में एकजुटता के प्रयास हो रहे हैं। उधर भाजपा एवं उसके सहयोगी दल भी अपनी स्थिति को मजबूती देते हुए पुनः सत्ता में आने के तमाम प्रयास कर रहे हैं।

भारत के सभी राजनीतिक दल अब पूरी तरह चुनावी मोड में आ गये हैं और प्रत्येक प्रमुख राजनैतिक दल इसी के अनुरूप अपनी गोटियां सजाने में लगे दिखाई पड़ रहे हैं। 2024 लोकसभा एवं इसी वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सभी राजनीतिक दलों ने कमर कस ली है, वह पहली बार देखने को मिल रहा है की चुनाव के इतने लम्बे समय पूर्व ही चुनाव जैसी तैयारियां होती हुई दिख रही है। टुकड़े-टुकड़े बिखरे कुछ दल एक हो रहे हैं। विरोधी विचारधारा के दलों के साथ ग्रुप फोटो खिंचा रहे हैं। सत्ता तक पहुँचने के लिए कुछ दल परिवर्तन को आकर्षण व आवश्यकता बता रहे हैं। कुछ प्रमुख दलों के नेता स्वयं को प्रधानमंत्री की कुर्सी पर देख रहे हैं। सियासी दलों के वादे में भी मतदाता भी उलझा हुआ प्रतीत करेगा। चुनाव में अभी समय है पर सियासी बयानबाजी में जनता को लुभाने वाले वादे उछलने लगे हैं। कोई मुफ्तखोरी की राजनीति का सहारा लेकर चुनाव जीतने की कोशिश करने में जुटा है तो कोई गठबंधन को आधार बनाकर चुनाव जीतने के सपने देख रहा है।

बीजेपी की ताकत घटी, अन्य दलों को भी जोड़ने में जुटी

विपक्षी दलों में एकजुटता के प्रयास हो रहे हैं। वहीं भाजपा एवं उसके सहयोगी दल भी अपनी स्थिति को मजबूती देते हुए पुनः सत्ता में आने के तमाम प्रयास करने में लग गए हैं। इसके लिये एनडीए ने भी नए साथियों की तलाश तेज कर दी है। केंद्रीय गृहमंत्री और पूर्व बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह की हाल में हुई तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश की यात्रा से इसके संकेत मिले। भाजपा लंबे समय से दक्षिण भारत में अपनी जमीन मजबूत करने की कोशिश कर रही है। 2024 लोकसभा चुनाव के लिए भी उसने इस सिलसिले में तैयारियां शुरू कर दी हैं। उत्तर भारत में वह पिछले लोकसभा चुनाव में जितना चमत्कारी प्रदर्शन किया गया कि इस बार उसे दोहराना उसके लिये जटिल प्रतीत हो रहा है। इसलिए अगर उसे फिर से बहुमत के साथ केंद्र की सत्ता में आना है तो दक्षिण में सीटें बढ़ानी होंगी। इससे उत्तर भारत में सीटों की संख्या में संभावित कमी की भरपाई हो जाएगी। भाजपा इस योजना पर पूर्ण आत्मविश्वास एवं प्रखरता के साथ बढ़ भी रही थी, लेकिन कर्नाटक विधानसभा चुनावों से उसे झटका लगा। इसके बाद से कहा जा रहा है कि भाजपा पहले जितनी ताकतवर नहीं रही।

कर्नाटक के फार्मूले को आगे बढ़ाएगी कांग्रेस

आम चुनाव की सरगर्मियां उफ़ान पर है, इस बार का चुनाव काफी दिलचस्प एवं चुनौतीपूर्ण होने वाला है। कांग्रेस ने कर्नाटक की जीत को आम चुनाव की जीत से जोड़ने की जल्दबाजी दिखाना शुरु कर दिया है। जिस तरह हिमाचल एवं कर्नाटक में उसने मुफ्त में जनता को कुछ न कुछ देने की राजनीति का सहारा लिया, उसे वह इसी वर्ष होने वाले विभिन्न राज्यों के विधानसभा एवं वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में दोहराने को तत्पर है। इसका ताजा प्रमाण है जबलपुर में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा की यह घोषणा कि यदि राज्य में उनकी सरकार बनी तो सौ यूनिट बिजली मुफ्त दी जाएगी, रसोई गैस सिलेंडर पांच सौ रुपये में दिया जाएगा और महिलाओं को हर महीने 1500 रुपये दिए जाएंगे। इसके अलावा उन्होंने किसानों का कर्ज माफ करने और पुरानी पेंशन योजना लागू करने का भी वादा किया। उन्होंने इसे पांच गारंटी की संज्ञा दी। कुछ इसी तरह की गारंटियां कर्नाटक एवं हिमाचल में दी गयी थी, उन्हें पूरा करने के लिए दोनों ही प्रांतों की चुनी सरकारों को एड़ी-चोटी का जोर लगाना पड़ रहा है, क्योंकि राज्य की वित्तीय स्थिति उन्हें पूरा करने की अनुमति नहीं देती।

जाति-धर्म नही जनता के मुद्दों पर होगा चुनाव

लोकसभा चुनाव केवल सियासी दलों के भाग्य का ही निर्णय नहीं करेगा, बल्कि उद्योग, व्यापार, रक्षा आदि राष्ट्रीय नीतियों, एकता, स्व-संस्कृति, स्व-पहचान तथा राष्ट्र की पूरी जीवन शैली व भाईचारे की संस्कृति को प्रभावित करेगा। वैसे तो हर चुनाव में वर्ग जाति का आधार रहता है, पर इस बार वर्ग, जाति, धर्म व क्षेत्रीयता व्यापक रूप से उभर कर आती हुई दिखाई दे रही है। और दलों के आधार पर गठबंधन भी एक प्रदेश में और दूसरे प्रदेश में बदले हुए हैं। एक प्रांत में सहयोगी वही दूसरे प्रांत में विरोधी है। कुर्सी ने सिद्धांत और स्वार्थ के बीच की भेद-रेखा को मिटा दिया गया है। चुनावों का नतीजा अभी लोगों के दिमागों में है। मतपेटियां क्या राज खोलेंगी, यह समय के गर्भ में है। पर एक संदेश इस चुनाव से मिलेगा कि अधिकार प्राप्त एक ही व्यक्ति अगर ठान ले तो अनुशासनहीनता, भ्रष्टाचार, महंगाई, गरीबी आदि समस्याओं पर नकेल डाली जा सकती है।

लोकलुभावन वादों की तैयारी

किसी भी राष्ट्र के जीवन में चुनाव सबसे महत्वपूर्ण होता है। यह एक यज्ञ होता है। लोकतंत्र प्रणाली का सबसे मजबूत स्तंभ होता है। राष्ट्र के प्रत्येक वयस्क के संविधान प्रदत्त पवित्र मताधिकार प्रयोग का एक दिन। सत्ता के सिंहासन पर जनता द्वारा चुना व्यक्ति बैठता है। जिसे वह अपने हाथों से तिलक लगाकर नायक चुनती है। हर राजनीतिक दल अपने लोकलुभावन वायदों एवं घोषणाओं को सबसे बढ़िया बता रहे हैं। हालांकि अभी देश में समस्याएं बनी हुई हैं। देश गरीबी, महंगाई, भ्रष्टाचार, अफसरशाही, बेरोजगारी, अशिक्षा, स्वास्थ्य समस्याओं से नहीं जुझता दिखाई देता। ऐसी स्थिति में मतदाता अगर आंख मूंदकर मत देगा तो वह अपने को ही नुकसान पहुंचाएगा।कई बार तो ऐसी घोषणाएं भी कर दी जाती हैं, जिन्हें पूरा करना संभव नहीं होता। उन्हें या तो आधे-अधूरे ढंग से पूरा किया जाता है या देर से अथवा उनके लिए धन का प्रबंध जनता के पैसों से ही किया जाता है। उदाहरणस्वरूप कर्नाटक सरकार ने दो सौ यूनिट बिजली मुफ्त देने के वादे को पूरा करने के लिए बिजली महंगी कर दी। इसी तरह पंजाब सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर वैट बढ़ा दिया। चुनाव जीतने के लिए वित्तीय स्थिति की अनदेखी कर लोकलुभावन वादे करना अर्थव्यवस्था के साथ खुला खिलवाड़ है। इस पर रोक नहीं लगी तो इसके दुष्परिणाम जनता को ही भुगतने पड़ेंगे। जो चुनाव सशक्त एवं आदर्श शासक नायक के चयन का माध्यम होता है, उससे अगर नकारा, ठग एवं अलोकतांत्रिक नेताओं का चयन होता है तो यह दुर्भाग्यपूर्ण एवं देश की विडम्बना है।

राजभर फिर बदलेंगे पाला, योगी से मुलाकात पर सियासी बाजार गर्म

» भाजपा बोली सबको मिलने का अधिकार
» सपा ने कहा-आजादी है कोई कहीं भी जाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में एकबार फिर ओम प्रकाश राजभर ने सियासत में गोल-गोल घूमना शुरू कर दिया है। हाल ही में वह सीएम योगी से मिले थे। उसके बाद उनका भाजपा के साथ गठजोड़ करने की बातें गलियारों में सुनाई देने लगी है। हालांकि उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि नेता एक दूसरे से बातचीत करते रहते है इसमें कोई नई बात नहीं हैं। उधर सपा ने भी प्रतिक्रिया दी है। उसने कहा है कि सबको इधर-उधर जाने की आजादी है।

2022 के विधानसभा चुनाव के पहले भाजपा से रिश्ता तोड़ने वाले सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में एक बार फिर से खड़े दिखाई देंगे। राजभर के बेटे अरूण राजभर की शादी के मौके पर भाजपा नेताओं का जुटान और उसके 48 घंटे के भीतर ही आधी रात को मुख्यमंत्री से बंद कमरे में राजभर की मुलाकात ने भाजपा से गठबंधन की पटकथा को अंतिम रूप से दिया है। ओम प्रकाश राजभर ने आज सीएम योगी की जी भर कर तारीफ की. उन्होंने योगी को साहसी नेता बताया, तो इशारों में अखिलेश यादव और मायावती को अंधविश्वासी करार दे डाला. उन्होंने राजनीति के अपराधीकरण के लिए सपा को जिम्मेदार ठहराते हुए अब्बास अंसारी पर बड़ा बयान दे डाला. राजभर ने कहा कि मुख्तार अंसारी

के बेटे अब्बास को मैंने अखिलेश यादव के कहने पर टिकट दिया था.

लखनऊ में सीएम से मिलेंगे अरुण राजभर

वाराणसी दौरे पर गए मुख्यमंत्री योगी आदित्यानाथ और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर के बीच हुई पौन घंटे की मुलाकात ने जहां प्रदेश में सियासी सरगर्मी को बढ़ा दिया है। वहीं, सुभासपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण राजभर ने जो संकेत दिए है, उसने भी इस पटकथा के कथानक का साफ कर दिया है। दोनों नेताओं की मुलाकात के बाद अरुण ने कहा था कि जल्द ही वह परिवार सहित लखनऊ पहुंचकर मुख्यमंत्री आवास जाकर योगी से आशीर्वाद लेंगे। अरुण के इस बयान के सियासी निहितार्थ निकाले जा रहे हैं कि राजभर के तल्ख बयानों को लेकर असहज रहने वाले मुख्यमंत्री को सहज करने की कोशिश है। हालांकि राजभर और भाजपा की तरफ से गठबंधन के बारे में अभी तक अधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा जा रहा है, पर दोनों तरफ के नेताओं द्वारा एक दूसरे के प्रति जिस सहजता से बयान दिए जा रहे हैं, उससे यह माना जा रहा है कि भाजपा-सुभासपा के नए रिश्ते की अधिकारिक घोषणा जल्द की जा सकती है। वहीं, उच्च पदस्थ सूत्रों का कहना है कि दोनों दलों के बीच गठबंधन को लेकर बातचीत लगभग पूरी हो चुकी है। हालांकि सूत्र गठबंधन के स्वरूप के बारे में बहुत कुछ नहीं बता पा रहे हैं, लेकिन उनका कहना है कि पूर्वांचल की सामाजिक समीकरणों और प्रदेश की राजनीतिक गणित को देखते हुए भाजपा और राजभर को एक दूसरे की जरूरत है।

दो सीटों पर बन सकती है बात

सूत्रों का कहना है कि राजभर गठबंधन की अधिकारिक घोषणा होने से पहले ही उन सीटों को पक्का करना चाहते हैं, जिनपर वह सुभासपा के उम्मीदवार लड़ाना चाहते हैं। सूत्रों का कहना है कि राजभर ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के सामने फिलहाल दो सीटों पर दावेदारी पेश की है। इनमें एक घोसी के अलावा गाजीपुर, भदोही और चंदौली में कोई सीट शामिल है। माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद अब राजभर और भाजपा के बीच गठबंधन की अधिकारिक घोषणा होना बाकी रह गया है। जल्द ही राजभर की दिल्ली में भाजपा नेतृत्व से मुलाकात होनी है। इस मुलाकात में गठबंधन के स्वरूप को अंतिम रुप दिया जा सकता है । इसके बाद अगस्त में गठबंधन की घोषणा की जा सकती है। हालांकि राजभर के कोटे में लोकसभा की कौन सी सीट जाएगी, इसको चुनाव के समय ही सार्वजनिक की जाएगी।

निषाद पार्टी की चिंता बढ़ी

उधर भाजपा से ओम प्रकाश राजभर रिश्ते सुधरने की सुगबुगाहट ने निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद की चिंता बढ़ा दी है। उनको इस बात की चिंता सताने लगी है कि राजभर की वजह से गठबंधन में कहीं उनकी अहमियत कम न हो जाए। इसके मद्देनजर वह लगातार लखनऊ से लेकर दिल्ली तक में भाजपा नेतृत्व के सामने किसी न किसी बहाने अपनी अहमियत दिखाने का प्रयास कर रहे हैं। साथ ही सुभासपा को कमजोर करने की रणनीति पर भी फोकस कर रहे हैं। सूत्रों की माने तो निषाद की कोशिश है कि राजभर के कुछ भरोसेमंद लोगों को निषाद पार्टी में शामिल करके भाजपा नेतृत्व को यह संदेश दिया जाए कि सुभासपा के मुकाबले उनके लोगों की पसंद निषाद पार्टी है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

क्रिएटिव आजादी के नाम पर अनुचित कृत

रामायण बनाने वाले रामानंद सागर के पुत्र प्रेम सागर ने आदिपुरुष में रावण के किरदार को खलनायक की तरह दिखाने को लेकर नाराजगी जाहिर की है, उन्होंने फिल्म पर क्रिएटिव फ्रीडम का गलत इस्तेमाल करने का आरोप भी लगाया है। आदिपुरुष को लेकर विरोध का सिलसिला इसके रिलीज होने के बाद और भी बढ़ गया है।

क्रिएटिव आजादी के नाम पर मूल तत्व से छेड़छाड़ करने को कभी भी सही नहीं ठहराया जा सकता है। ऐसा ही कुछ हुआ फिल्म आदिपुरुष के साथ हुआ है। इसमें रामायण के चरित्रों के संवादों को जिस प्रकार से लिखा गया है वह रामचरित या अब तक सुने गए संवादों से अलग तरीके के हैं, या ये कहे भद्दे तरीके से लिखे गए हैं। इस प्रकार के संवाद लिखकर लेखक ने अन्याय किया है। साथ ही उन्होंने भावनाओं को भी आहत किया है। इस फिल्म की चारों ओर आलोचना हो रही है। हांलाकि लेखक ने सफाई देते हुए कहा है कि उसने इसे जानबूझकर ऐसा लिखा है, इसके पीछे उनका तर्क है कि ऐसे भाषा संत भी बोलते थे। खैर अगर ऐसा है तब भी वह निंदनीय है। रामायण बनाने वाले रामानंद सागर के पुत्र प्रेम सागर ने आदिपुरुष में रावण के किरदार को खलनायक की तरह दिखाने को लेकर नाराजगी जाहिर की है, उन्होंने फिल्म पर क्रिएटिव फ्रीडम का गलत इस्तेमाल करने का आरोप भी लगाया है।

आदिपुरुष को लेकर विरोध का सिलसिला इसके रिलीज होने के बाद और भी बढ़ गया है। महाकाव्य रामायण के किरदारों और घटनाओं को फिल्म में गलत तरीके से दिखाने को लेकर दर्शक इसके खिलाफ अपनी नाराजगी जता रहे हैं। उन्होंने अब तक फिल्म तो नहीं देखी लेकिन फिल्म का टीजर देखा है, इसमें देवदत्त नागे जो हनुमान जी का किरदार निभा रहे हैं वे कहते हैं, तेल तेरे बाप का, जलेगी तेरे बाप की, इसे देखकर लगा है कि ओम राउत ने आदिपुरुष के जरिए मार्वल बनाने की कोशिश की है। प्रेम सागर ने अपने इंस्टाग्राम पर भी एक वीडियो पोस्ट की है, जिसके साथ उन्होंने एक लंबा-सा कैप्शन भी लिखा है. उन्होंने लिखा- 50 साल तक भी रामानंद सागर जैसी बनाई हुई रामायण नहीं बन सकती... पापाजी का जन्म रामायण बनाने के लिए हुआ था, उन्हें रामायण को फिर से लिखने के लिए इस धरती पर भेजा गया था, जैसे वाल्मीकिजी ने इसे छंदों में लिखा था, तुलसीदासजी ने इसे अवध भाषा में लिखा था और पापाजी ने इसे इलेक्ट्रॉनिक युग में लिखा था...रामानंद सागर का रामायण एक ऐसा महाकाव्य था जिसे दुनिया ने एक्सपीरियंस किया और इसे लोगों के दिलों में कभी नहीं बदला जा सकेगा। रामायण बनाई और उसमें भी उन्होंने क्रिएटिव फ्रीडम का इस्तेमाल किया लेकिन उन्होंने भगवान राम को समझा। उन्होंने कई ग्रंथ पढ़ने के बाद कुछ मामूली बदलाव किए और कभी भी तथ्यों के साथ छेड़छाड़ नहीं की। रावण के किरदार को काले रंग पर भी आपत्ति है उन्होंने कहा कि रावण बहुत विद्वान और ज्ञानी था और कोई भी उसे खलनायक के तौर पर पेश नहीं कर सकता।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

विकास-शोध में ज्यादा फायदा उठाने का मौका

सी. उदय भास्कर

प्रधानमंत्री मोदी की 21-24 जून की आगामी अमेरिका यात्रा के दौरान भारत-अमेरिका द्विपक्षीय रिश्तों में शिखर वार्ता स्तर की राजनीतिक दिलचस्पी और नीति संबंधी विमर्श होने की आस है। कार्यसूची में व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति बाइडेन द्वारा रिवायती स्वागत समारोह और अमेरिकी संसद के संयुक्त सदनों को प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन शामिल है। इस किस्म का शिष्टाचार द्योतक है उस विशेष सम्मान का, जब अमेरिका को किसी मुल्क और उसके नेता को तरजीह देनी होती है। इस यात्रा का एक मुख्य पहलू रक्षा क्षेत्र में सहयोग बनाना है। अतएव यात्रा से पूर्व, मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी स्तर पर मिल-जुलकर काफी तैयारियां की गई हैं। इस सिलसिले में अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने नयी दिल्ली में 5 जून को भारतीय समकक्ष राजनाथ सिंह से मुलाकात की है।

वार्ता का मुख्य ध्यान रक्षा क्षेत्र में दोनों देशों के बीच औद्योगिक स्तर का सहयोग बनाने पर केंद्रित रहा। दोनों पक्ष आपसी सलाह से नये और वर्तमान तकनीक सहयोग की शिनाख्त करने एवं दोनों मुल्कों के बीच रक्षा संबंधी नव-उद्यमों के लिए सहयोग में इजाफा करने को तैयार हैं। दोनों राष्ट्रों ने हालिया नई पहल यानी रक्षा के तमाम क्षेत्रों में द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को विस्तारार्थ उन्नत और परिष्कृत रक्षा तकनीक सहयोग के लिए भारत-अमेरिका उन्नत गतिमान तंत्र (इंडस-एक्स) बनाने के फैसले का स्वागत किया है। साथ ही, भारतीय विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने 6 जून को वाशिंगटन पहुंचकर भारत-अमेरिका सामरिक सहयोग वार्ता में भाग लिया। इसका उद्देश्य महत्वपूर्ण तकनीकी क्षेत्र सहयोग में आगे विस्तार और व्यापार संभावनाओं की पहचान करना था। इसमें सेमीकंडक्टर, अंतरिक्ष, टेलीकॉम, क्वांटम, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बायोटेक और अन्य विधाएं शामिल हैं। जाहिर है तकनीक सहयोग का यह परिदृश्य बहुत बृहद है। कार्यसूची में जो विषय ज्यादा ध्यान खींचता है, वह है, अमेरिका निर्मित जीई एफ-414 जेट इंजन। उम्मीद है इस पर सहमति बन जाएगी। इससे यह इंजन संयुक्त रूप से विकसित करने का मौका हमें मिल जाएगा। यह स्वदेशी लड़ाकू विमान बनाने में बहुत मददगार होगा, जो अब तक इस किस्म की क्षमता से महरूम है।

अमेरिकी सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन की हालिया दो-दिवसीय यात्रा का मकसद रहा कि मोदी की यात्रा में परिणाम पाने में जहां कहीं कमी दिखे, वह सुधारी जा सके, क्योंकि

विषय-वस्तु अधिकांशत: जेट इंजन और उच्च तकनीक सहयोग पर केंद्रित रहने वाला है। तथापि, इस किस्म के रिवायती सैन्य मंचों पर सहयोग के अलावा भारत के लिए असल चुनौती अमेरिका का साझेदार बनकर तकनीकी क्षेत्र में एक बड़ी छलांग लगाना होगा जो हमारी भावी युद्ध शैली को शक्ल देगा। मोटे तौर पर, सहयोग के नए क्षेत्रों में अंतरिक्ष, जलगत, साइबर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी महत्वपूर्ण तकनीक हैं। लेकिन क्या भारत अमेरिका के साथ प्रभावी सहयोग करने की स्थिति में है ताकि तकनीकी क्षेत्रों में प्राप्त नवीन ज्ञान के आधार पर आत्मनिर्भरता पाने में सही मायने में बड़ी छलांग बन सके? यहीं पर शब्द 'सर्वतंत्र' पर ध्यान केंद्रित होता है और मौजूदा हालातों के आधार पर, लगता है ढांचागत और व्यवस्थात्मक कमियों के चलते भारत के पास वह आवश्यक तंत्र नहीं है जिससे अमेरिका के साथ अर्थपूर्ण सहयोग पूरा परिणाम दे सके और आत्मनिर्भरता के प्रयासों में तेजी बन सके और यही अंतिम उद्देश्य भी है। नई परिष्कृत तकनीकों में प्रवीणता पाने की मात्रा, हमारी ज्ञान-ग्राह्यता की थाह और अनुसंधान एवं विकास के लिए निरंतर निवेश करने पर निर्भर होगा। अनुसंधान एवं विकास और नई खोजों के क्षेत्र में अमेरिका को दुनियाभर में अव्वल माना जाता है, चीन दूसरे पायदान पर है और अगले कुछ दशकों में पहले स्थान के लिए दृढ़-संकल्प है। किसी देश की तकनीकी क्षमता का सूचकांक उसके वैज्ञानिकों द्वारा विज्ञान एवं इंजीनियरिंग संबंधित पत्रिकाओं में आलोचनात्मक विवेचनार्थ पेश किए खोज-पत्रों की संख्या है। वर्ष 2020 में चीन ने 6,69,000 खोज-पत्रों के साथ अमेरिका (4,56,000) को पछाड़ दिया। 1,49,000 खोज-पत्रों के साथ भारत तीसरे स्थान पर रहा। भारतीय ढांचे में अनुसंधान एवं विकास क्षेत्र में निवेश की मद में कमी सबसे बड़ी विद्रूपता है, जबकि यह अवयव नई खोज के आधार पर वास्तविक प्रारूप तैयार करने और आगे उत्पादन प्रणाली की नींव है।

भारत अपने सकल घरेलू उत्पाद का महज 0.7 प्रतिशत अनुसंधान एवं विकास पर खर्च करता है, जो कि अमेरिका (2.8), चीन (2.1), इस्राइल (4.3) और दक्षिण कोरिया 4.6 फीसदी से कहीं कम है।

छात्रों में बढ़ते आत्महत्या के मामले समाज को झकझोरने लगे

योगेश कुमार गोयल

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को लेकर अत्यधिक मानसिक दबाव के कारण देश के प्रमुख कोचिंग हब बने राजस्थान के कोटा में तो अक्सर छात्रों द्वारा आत्महत्या करने की घटनाएं सामने आती ही रहती हैं, अब नामीगिरामी इंजीनियरिंग और मेडिकल संस्थानों में भी छात्रों द्वारा आत्महत्या किए जाने के बढ़ते मामले समाज को झकझोरने लगे हैं। छात्रों में आत्महत्या की यह बढ़ती प्रवृत्ति अब सरकार के साथ-साथ समाज को भी गंभीर चिंतन-मनन के लिए विवश करने हेतु पर्याप्त है। कुछ मामलों में परीक्षाओं के दौरान प्रश्नपत्र सही से हल नहीं कर पाने और कई बार परीक्षा की समुचित तैयारी नहीं होने पर भी छात्र हताश होकर जान देने लगे हैं। पिछले कुछ वर्षों से ऐसी दुखद घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। देश के युवा वर्ग और खासकर 18 वर्ष से कम आयु वर्ग के बच्चों में आत्महत्या की बढ़ती यह प्रवृत्ति बेहद चिंताजनक है।

शिक्षा तथा कैरियर में गलाकाट प्रतिस्पर्धा और माता-पिता तथा शिक्षकों की बढ़ती अपेक्षाओं के चलते छात्रों पर पढ़ाई का बढ़ता अनावश्यक दबाव इसका सबसे बड़ा कारण है, जिसने छात्रों के समक्ष विकट स्थिति पैदा कर दी है। कई बच्चे इस दबाव को झेल नहीं पाते, जिसके चलते उनमें अवसाद पनपता है। कई अध्ययनों से यह स्पष्ट हो चुका है कि परीक्षाएं नजदीक आने के साथ ही छात्रों में चिंता और अवसाद बड़ने लगता है और कुछ मामलों में यही बड़ता अवसाद उनके आत्महत्या करने का कारण बन जाता है। इंजीनियरिंग और मेडिकल कॉलेजों में तो सीटें बहुत होने के कारण अब बहुत ज्यादा प्रतिस्पर्धा होने लगी है, वहीं दिल्ली विश्वविद्यालय जैसे शिक्षण संस्थानों में सामान्य स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए भी अब जबरदस्त मारामारी होने लगी है। ऐसे में छात्र अपनी शिक्षा और भविष्य को लेकर गहरे असमंजस में रहते हैं। किसी को कैरियर या नौकरी की चिंता है तो कोई पारिवारिक वित्तीय संकट से जूझ रहा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े देखें तो जहां 2020 में देशभर में कुल 12526 छात्रों ने आत्महत्या की, वहीं 2021 में यह आंकड़ा बढ़कर 13089 हो गया।

वैसे आत्महत्या की यह समस्या अब केवल छात्रों तक ही सीमित नहीं है बल्कि देश में आत्महत्या के मामलों में जिस प्रकार साल दर साल उछाल आ रहा है, वह समूचे समाज के लिए गंभीर चिंता का कारण बन रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक दुनिया में हर 40 सैकेंड में एक व्यक्ति आत्महत्या करता है यानी प्रतिवर्ष दुनियाभर में करीब आठ लाख लोग आत्महत्या के जरिये अपनी जीवनलीला खत्म कर डालते हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में आत्महत्या के मामले 15 से 29 वर्ष के लोगों में होते हैं जबकि आत्महत्या का प्रयास करने वालों का आंकड़ा इससे बहुत ज्यादा है। डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में 79 फीसदी आत्महत्या निम्न और मध्यवर्ग वाले देशों के लोग करते हैं और इसमें बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की होती है, जिनके कंधों पर किसी भी देश का भविष्य टिका होता है।

बीते वर्षों में दुनियाभर में खुदकुशी की घटनाएं तेजी से बड़ी हैं लेकिन भारत में आत्महत्याओं का आंकड़ा तो काफी चिंताजनक है। लोगों में अवसाद निरन्तर ब? रहा है, जिसके चलते ऐसे कुछ व्यक्ति आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठते हैं। जीवन से निराश होकर आत्महत्या की बढ़ती दुष्प्रवृत्ति गंभीर चिंता का सबब बन रही है। मनोचिकित्सकों के अनुसार जब भी कोई व्यक्ति या युवा गहरे मानसिक तनाव से जूझ रहा होता है तो उसके व्यवहार में पहले की अपेक्षा कुछ बदलाव देखने को मिलते हैं। ऐसे में आसपास मौजूद लोगों तथा परिजनों की यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है कि वे ऐसे व्यक्ति अथवा युवा को इमोशनल, मेंटल या फिजिकल जैसी भी जरूरत हो, सहयोग करें, उसका मनोबल बढ़ाने का प्रयास करें ताकि वह व्यक्ति स्वयं को अकेला महसूस न करे। मनोचिकित्सकों के अनुसार आत्महत्या करना काफी गंभीर समस्या है और आत्महत्या करने के पीछे अधिकांशत: अवसाद को ही जिम्मेदार ठराया जाता है, जो ऐसे करीब 90 फीसदी मामलों का प्रमुख कारण है लेकिन सभी आत्महत्याओं के लिए अवसाद को ही पूरी तरह जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। उनके मुताबिक आत्महत्या करने का विचार किसी इंसान के अंदर तब पनपता है, जब वह किसी मुश्किल से बाहर नहीं निकल पाता।

जहां तक छात्रों की बात है तो छात्रों के बढ़ते आत्महत्या के मामलों के लिए कहीं न कहीं अभिभावक भी दोषी हैं। दरअसल अधिकांश मामलों में देखने को मिलता है कि ज्यादातर माता-पिता या अभिभावक अपने बच्चों की क्षमता और अभिरूचि को सही ढंग से नहीं समझ पाते और उनसे जरूरत से ज्यादा अपेक्षाएं रखते हुए परीक्षा के समय भी उनकी मनोदशा से अनभिज्ञ रहते हैं। कई मामलों में ऐसे छात्र जरूरत से ज्यादा मानसिक दबाव के कारण गलत कदम उठा बैठते हैं। ऐसे मामलों में छात्रों को मानसिक दबाव से बाहर निकालने में सबसे बड़ी भूमिका अभिभावकों, करीबी लोगों और शिक्षकों की ही हो सकती है, जो उन्हें सहानुभूतिपूर्वक समझाएं कि किसी भी असफलता से उनके जीवन का निर्धारण नहीं होता और हमारा यह जीवन एकमात्र ऐसी चीज है, जिसे हम दोबारा नहीं पा सकते। उन्हें इस बात के लिए प्रोत्साहित करें कि वे सकारात्मक सोच के साथ अपनी क्षमतानुसार मेहनत करके भी सफलता की बुलंदियों को छू सकते हैं।

बच्चों को खिलाएं हेल्दी और स्वादिष्ट नाश्ता

पनीर रोल

अगर आपके बच्चे को रोल खाना बेहद पसंद है तो झटपट उसे पनीर रोल बनाकर खिलाइए। इसे खाकर उसका पेट भी भरा रहेगा।

ओट्स इडली

सामान्य इडली से हटकर कुछ बनाना चाहती हैं, तो ओट्स इडली ट्राई कर सकती हैं। इसे नारियल की चटनी के साथ आप बच्चों के टिफिन में भी रख सकती हैं।

मूंगदाल चीला

चीला हर किसी को खाना पसंद होता है। ऐसे में आप बच्चों के साथ-साथ बड़ों के लिए भी मूंग दाल का चीला बना सकती हैं।

उपमा

ये एक साउथ इंडियन डिश है। इसे बनाना बेहद आसान होता है। खास बात ये है कि आप इसे कुछ मिनटों में आसानी से बना सकती हैं। इसमें ज्यादा तेल मसाले नहीं होते। जिस वजह से ये काफी हेल्दी होता है।

सेवई

नमकीन सेवई खाने में काफी स्वादिष्ट लगती है। बच्चों के साथ-साथ आप इसे अपने घर के बड़ों को भी परोस सकती हैं। ये कुछ ही मिनटों में बनकर तैयार हो जाती है।

भारत देश अपने खान-पान की वजह से काफी चर्चित है। यहां हर राज्य का अपना अलग खाना होता है। विभिन्न तरह के ऑप्शन होने के बाद भी हर मां अपने बच्चे के नाश्ते के लिए परेशान रहती है। अगर आपके घर में भी छोटे बच्चे हैं, तो आप ये बात ज्यादा अच्छे से समझ सकती हैं कि बच्चे हर चीज नहीं खाते। बच्चों की पसंद कुछ अलग ही होती है इसलिए आप बड़ों के लिए जो बनाएंगी, कई बार बच्चे उसे खाने से नकार देते हैं। खास कर दिक्कत सामने आती है सुबह के नाश्ते के वक्त। दरअसल, बच्चों को सुबह स्कूल जाना पड़ता है, ऐसे में हर मां चाहती है कि उनका बच्चा सुबह ऐसी चीज खाकर जाए, जो हेल्दी भी हो और स्वादिष्ट भी। पर, रोज-रोज क्या बनाया जाए ये समझ नहीं आता है।

वेजिटेबल मसाला डोसा

सादा डोसा बनाने से बेहतर है उसमें कई सारी सब्जियां डाल कर वेजिटेबल मसाला डोसा बनाकर बच्चे को खिलाएं। ये काफी हेल्दी होता है।

साबूदाना खिचड़ी

अपने बच्चे को आप सुबह नाश्ते में साबूदाना खिचड़ी बनाकर खिला सकती हैं। ये खाने में काफी टेस्टी होती है। साबूदाना खिचड़ी एक महाराष्ट्रीयन डिश है जो साबूदाना, आलू और मूंगफली के साथ मिलाकर बनाई जाती है।

हंसना मना है

एक मकान मालिक नए किरायेदार को मकान दिखा रहा था। मकान मालिक- इसका किराया 700 रुपए होगा। किरायेदार -ठीक है, लेकिन आपके मकान में तो चूहे नाच रहे हैं! मकान मालिक- तो 700 रुपए में क्या शीला का नाच देखना चाहते हो?

ग्राहक- तुम्हारी भैंस की एक आंख खराब है, फिर भी तुम इसके 25000 मांग रहे हो। आदमी- तुम्हें भैंस दूध के लिए चाहिए या नैन मटक्का के लिए चाहिए?

जज- क्या सबूत है कि जब एक्सीडेंट हुआ, तब तुम कार तेज नहीं चला रहे थे? कार चालक- साहब, मैं अपनी पत्नी को लेने ससुराल जा रहा था। जज- ओह, छोड़ दो इस मासूम को, ऐसे समय कोई भी गाड़ी तेज नहीं चला सकता।

एक महिला एक साधु के पास गई और बोली-महाराज! आपने प्रवचन में कहा था, अहंकार ही सबसे बड़ा पाप है। पर जब मैं आईना देखती हूं, तो सोचती हूं मैं कितनी सुंदर हूं तो मुझे बहुत अहंकार हो जाता है, मैं क्या करूं? साधु ने कहा- बेटी यह अहंकार नहीं, गलतफहमी है और गलतफहमी कोई पाप नहीं।

कहानी | हमेशा सच बोलो

एक रात 4 स्कूल के लड़के पार्टी कर रहे थे। जबकि अगली सुबह उनका एग्जाम था। फिर भी वो लोग मस्ती कर रहे थे। पार्टी करते हुए जब सुबह हो गई तो परीक्षा नहीं देने के लिए वो लोग प्लान बनाने लगे। फिर परीक्षा शुरू होने के बाद वो लोग प्रिंसिपल के ऑफिस गए वहां सर से कहा हमें माफ करिये हमारी परीक्षा आप कुछ दिन बाद ले लो। क्यों की कल रत हम शादी में गए थे वहां से लौटते समय हमरी कार का टायर पंचर हो गया। पूरी रात कार को धक्का दे के घर तक लाये है। इसलिए हम कुछ तैयरी भी नहीं कर पाए। प्रिंसिपल सर ने उनकी दु:ख भरी कहानी सुनी और उन लोगो को 3 दिन का टाइम दे दिया। वे सारे लड़के 3 दिन तक कड़ी मेहनत से तैयारी की और 3 दिन बाद परीक्षा देने गए। तो सबको अलग कमरे में बैठा दिया गया। वे इस बात से भी खुश थे की कोई बात नहीं हमने तो तैयारी कर ली है और अब आराम से पास हो जायेंगे। उन लड़कों के सामने जैसे ही प्रश्न पत्र आया तो उसमें बस एक ही सवाल पूछा गया था जो पूरे 100 नंबर का था। जिसमें पूछा गया गया था कि आपकी गाड़ी का कौन सा टायर पंचर हुआ था।

कहानी से सीख- परिस्थि चाहे जैसी भी हो हमें झूठ नहीं बोलना चाहिए। क्यों की झूठ बोलने वाला और भी ज्यादा दलदल में फस जाता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
आज आप परिवार वालों के साथ सुखद समय बितायेंगे। सामाजिक स्तर पर आपका रूतबा बढ़ेगा। प्रेम-संबंधों में आपको सफलता मिलेगी।

वृषभ
कार्यस्थल पर आपके पास अपनी योग्यता साबित करने के बेहतर अवसर होंगे। जो आपको सफलता के शिखर पर लेकर जाएंगे। पारिवारिक -जीवन सुखी और शांतिपूर्ण रहेगा।

मिथुन
आज आप अपने डेली रूटीन में बदलाव करने की कोशिश करेंगे । आप अपने साथियों को खुश रखने की कोशिश करेंगे। आप किसी काम के लिए प्लानिंग करेंगे ।

कर्क
आज का दिन आपको धनी और प्रसिद्ध बना सकता है। हालांकि यह आपके जीवनसाथी के स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर सकता है। चोरी की वजह से नुकसान उठाना पड़ सकता है।

सिंह
आज जीवनसाथी के साथ फिल्म देखना आपको सुकून देगा । साथ में बाहर डिनर आपको खुशमिजाज भी बनाएं रखेगा। मेहनत के बल पर आपको सफलता मिलेगी।

कन्या
यह खुद को स्थापित करने का अच्छा समय है। बाधाएं और मुश्किलें भी अब दूर होने लगेंगी। आप अपनी बुद्धि और कौशल से अपने प्रतिद्वंद्वियों से आगे निकल जाएंगे।

तुला
आज आपको कुछ घरेलू सामान की खरीदारी करनी पड़ सकती है ।आप शाम को बच्चों के साथ कहीं घूमने के लिए बाहर निकलेंगे। कामकाज में बहुत हद तक सफल होंगे।

वृश्चिक
कमाई में वृद्धि होगी और पैसे कमाने के और जरिए बनेंगे। आपके भाई-बहन से भी आपको फायदे मिल सकते हैं। प्रेम-प्रसंगों के लिए दिन काफी अनुकूल रहने वाला है।

धनु
आज किसी व्यक्ति से आपको उम्मीद से अधिक फायदा होगा । घर के किसी काम को पूरा करने में बड़े-बुजुर्ग की राय आपके लिए कारगर साबित होगी।

मकर
जीवनसाथी की खराब सेहत की वजह से घर में खुशियों की कमी आएगी। आप चिड़चिड़े महसूस करेंगे, किन्तु आपको शांत और संयम रखने की जरुरत है।

कुम्भ
आज आपका सोचा हुआ काम अचानक से पूरा हो जाएगा। आर्थिक पक्ष काफी मजबूत रहेगा। ऑफिस में सीनियर्स आपके काम को देखकर खुश होंगे।

मीन
किस्मत आपका भरपूर सहयोग देगी। आपका साहस और बुद्धि चरम पर रहेगा। सामाजिक लोकप्रियता में वृद्धि होगी। दफ्तर में वरिष्ठ आपके काम को सराहेंगे।

वॉर-2 में ग्लैमर का तड़का लगायेंगी कियारा आडवाणी

ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर की आगामी फिल्म वॉर 2 का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। यश राज फिल्म्स स्पाई यूनिवर्स की इस फिल्म को लेकर अब एक और दिलचस्प जानकारी सामने आ रही है। कहा जा रहा है कि अभिनेत्री कियारा आडवाणी को इस फिल्म के लिए कास्ट किया गया है। वह ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वॉर 2 के लिए कियारा आडवाणी किरदार में बिल्कुल फिट बैठी हैं, इसलिए उन्हें चुना गया है। बता दें कि ब्रह्मास्त्र स्पाई यूनिवर्स की फिल्में- एक था टाइगर, टाइगर जिंदा है, वॉर, और पठान ब्लॉकबस्टर रही हैं। अब इस यूनिवर्स की आगामी फिल्म वॉर 2 से भी दर्शकों की उम्मीदें जुड़ी हुई हैं। मेकर्स भी इन उम्मीदों खरा उतरने की कोशिशों में जुटे हुए हैं। वॉर 2 में बेस्ट सुपरस्टार्स नजर आएंगे। इसी कड़ी में कियारा आडवाणी को भी फिल्म का हिस्सा बनाया जा रहा है। फिल्म में ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर का होना पहले ही दर्शकों के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं था, अब कियारा आडवाणी की एंट्री की खबर जाहिर है उनकी खुशी में और इजाफा करेगी। इसके अलावा फिल्म के निर्देशन की कमान इंडस्ट्री के युवा निर्देशक अयान मुखर्जी संभाल रहे हैं।

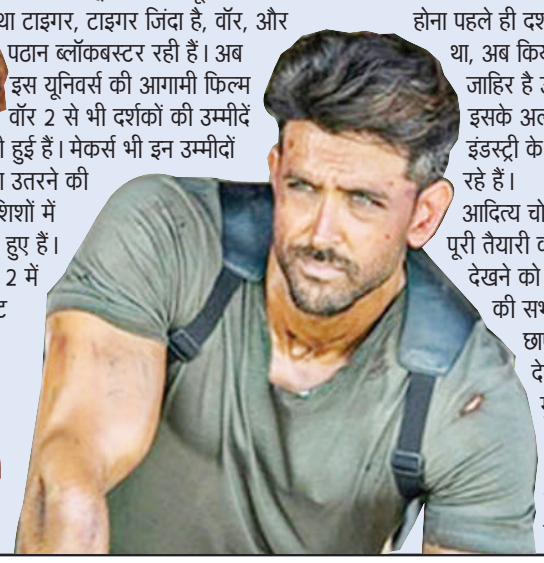

आदित्य चोपड़ा ने वॉर 2 को खास बनाने की पूरी तैयारी कर ली है। फिल्म में जबर्दस्त एक्शन देखने को मिलेगा। बता दें कि स्पाई यूनिवर्स की सभी फिल्मों में हीरोईनों ने गजब की छाप छोड़ी है। अब बारी कियारा की है! देखना होगा कि इस बार अयान मुखर्जी और आदित्य चोपड़ा वॉर 2 में कियारा से क्या कमाल कराते हैं। बता दें कि कियारा के वॉर 2 का हिस्सा बनने का अभी आधिकारिक रूप से कोई एलान नहीं हुआ है।

तोहफा-2 में शायना और लीना सिंह के अभिनय ने जीता दिल

वेब सीरीज तोहफा दर्शकों के बीच काफी हिट रही थी। अब इस सीरीज के दूसरे पार्ट का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। ट्रेलर के रिलीज होते ही यह दर्शकों के बीच तेजी से वायरल भी होने लगा है। इस वेब सीरीज को 20 जून को स्ट्रीम किया जाएगा। ट्रेलर से अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस बार की कहानी ग्रामीण परिवेश पर आधारित है। तो चलिए जानते हैं कि ट्रेलर में क्या दिखाया गया है।

'तोहफा' का पहला पार्ट ऑडियंस के बीच काफी हिट रही थी और इसकी लोकप्रियता को देखते हुए मेकर्स ने उसी समय इसके दूसरे पार्ट की घोषणा कर दी थी। दर्शकों के लंबे इंतजार के बाद अब इस वेब सीरीज के दूसरे पार्ट का ट्रेलर रिलीज किया गया है। ट्रेलर को देखकर लग रहा है कि इस बार की कहानी भी काफी खास और अलग होने वाली है।

'तोहफा' सीरीज की कहानी एक ग्रामीण महिला पर आधारित है, जिसका पति काम के सिलसिले से दूर शहर में रहता है। घर से दूर होने की वजह से वह अपने दोस्त के हाथों अपनी पत्नी के लिए कुछ तोहफे भेजता है। दोस्त भी वह तोहफा उसकी पत्नी को दे देता है, लेकिन इसके आगे की कहानी काफी चौंका देने वाली है।

वेब सीरीज की कहानी में एक बड़ा ट्विस्ट यह है कि महिला के पति के दोस्त का उसकी पत्नी की तरफ झुकाव हो जाता है और दोनों सहमति से एक - दूसरे के साथ समय व्यतीत करने लगते हैं। इस दौरान महिला का ससुर भी उनकी हर गतिविधि पर नजर बनाए हुए है। हालांकि, बाद में पता चलता है कि महिला का ससुर भी उसकी ओर आकर्षित है। 'तोहफा 2 'वेब सीरीज की कहानी आपस में ही काफी उलझी हुई है, लेकिन आपको आगे कहानी जाननी है तो आपको इस वेब सीरीज के रिलीज का इंतजार करना होगा।

आपको बता दें कि तोहफा का पहला पार्ट 13 जून को रिलीज किया गया था। वहीं, अब इसका दूसरा पार्ट 20 जून को रिलीज होगा। इस वेब सीरीज में शायना खत्री, लीना सिंह और ताराकेश चौहान लीड रोल में हैं।

भोजपुरी मसाला

बॉलीवुड मन की बात

सिनेमा अब पहले से कहीं अधिक सार्वभौमिक है: शाहिद कपूर

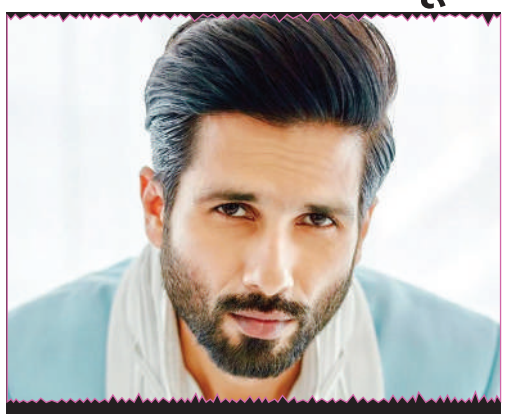

शाहिद कपूर को हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के सबसे उम्दा अभिनेताओं में से एक माना जाते हैं। अब तक उन्होंने कई फिल्मों में अपनी एक्टिंग से लोगों के दिलों में खास जगह बनाई है। हाल ही में अभिनेता ने कुछ ऐसा बयान दे दिया था, जिससे हंगामा मच गया था। उन्होंने कहा था कि दक्षिण भारतीय दर्शक हिंदी फिल्मों को स्वीकार नहीं करते। अभिनेता का यह बयान कई लोगों को पसंद नहीं आया था और उनकी जमकर आलोचना की गई थी। अब शाहिद ने अपने इस बयान पर अपनी सफाई दी है। शुक्रवार को अभिनेता ने फैंस के लिए सोशल मीडिया पर आस्क मी एनिथिंग का सेशन रखा। इस दौरान यूजर्स उनसे कई मुद्दों पर सवाल करते नजर आए। इन्हीं में एक सवाल दक्षिण दर्शकों पर दिए गए बयान पर था। यूजर ने पूछा, सर, आपने कहा था कि साउथ के दर्शक हिंदी फिल्में नहीं देखते हैं। अगर फिल्में अच्छी होती हैं तो हम जरूर देखते हैं। आपकी फिल्में भी हमें अच्छी लगती हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए शाहिद ने कहा, निश्चित रूप से मैं खुद दक्षिण भारतीय फिल्मों से प्यार करता हूं। विशेष रूप से लॉकडाउन के दौरान मैंने बहुत सी साउथ की फिल्में देखीं। सिनेमा अब पहले से कहीं अधिक सार्वभौमिक है। इसलिए भारतीय कला और कलाकारों में कोई सीमा नहीं होनी चाहिए। मैं आप सभी को बहुत प्यार करता हूं। घन्यवाद... बता दें कि इससे पहले बॉलीवुड स्पाई से बात करते हुए अभिनेता ने कहा था, कोई बंटवारा नहीं होना चाहिए। तमिल, तेलुगू, मलयालम और कन्नड़ दर्शकों को भी हिंदी सिनेमा को उसी तरह स्वीकार करना चाहिए, जिस तरह से हिंदी दर्शकों ने दक्षिण भारतीय फिल्मों को दिल खोलकर स्वीकार किया है। उन्हें भी बड़ा दिल रखना चाहिए।

इस संत की कुटिया में रात में नहीं रह सकता कोई शख्स!

नागौर। नागौर के रायधनु गांव में एक मात्र पहाड़ी जमीन से निकली हुई है। जबकि इस गांव को रेतीली इलाकों में गिना जाता है। इस गांव में पहाड़ी पर 100 वर्ष पुरानी एक संत की झोपड़ी बनी हुई है। जिसमें कोई भी व्यक्ति रात को रुक नहीं सकता और कोई भी संत वहां पर तपस्या नहीं कर सकता है। यह पहाड़ी का एक अद्भूत रहस्य बना हुआ है। दरअसल हुआ यूं कि यहां पर रायधनु गांव में जन्म लेने वाले संत सांवतसिंह ने इस पहाड़ी पर तपस्या की। इन्होंने इसी पहाड़ी को अपना तपस्या स्थल बनाया और इसी पहाड़ी के ऊपर इनकी समाधि बनी हुई है। कानाराम प्रजापत ने बताया कि यह पहाड़ी 100 वर्ष पुरानी पहाड़ी है। यह गांव में एक मात्र पहाड़ी है और बाकी गांव में छोटी पहाड़ी है। यहां पर संत सांवतसिंह ने कई वर्षों तक तपस्या की और यहां पर ही समाधि ले ली। लेकिन बाद में यह गांव वालों के लिए आस्था का केन्द्र बन गया और यहां पर सभी परिक्रमा देने आते हैं। दरअसल ग्रामीणों ने बताया कि मुख्यतः यहां पर पशुओं के लिए संत की पूजा की जाती है। क्योंकि पशुओं से संबंधी कोई भी बीमारी हो तो संत सांवतसिंह के नाम की तांती (धागा) बांधने से ठीक हो जाते है। यदि किसी पशु के स्तनों में से दूध आना बंद हो जाना (ओगू रोग) या किसी पशु के मुहाव या खुराला नामक बीमारी से ग्रसित हो जाते हैं तो इनके नाम से तांती (धागा) बांधने से पशु तैयार हो जाता है। इसलिए संत सांवतसिंह जी की पूजा की जाती है। वर्तमान समय में मनुष्य भी यहां पर परिक्रमा लगाते हैं और सच्चे मन से संत को याद करते हैं तो मनोकामना पूर्ण होती है तथा कष्ट व रोग भी दूर होते हैं। कानाराम प्रजापत ने बताया कि इस पहाड़ी पर रात को 9 बजे बाद यहां पर कोई रुक नहीं सकता क्योंकि व्यक्ति रुकने की कोशिश करता है तो वहां पर रुक नहीं पाता है और बाहर आने पर कुछ याद नहीं रहता है। व्यक्ति को पता नहीं चल पाता है कि हुआ क्या। ग्रामीणों ने बताया यहां केवल सिद्ध पुरुष जिसने कभी भी पाप नहीं किया हो वहीं व्यक्ति रुक सकता है। इसका आज तक रहस्य बना हुआ है। संत सांवतसिंहजी का खास चमत्कार है कि अगर वर्ष में एक बार इनकी कुटिया (झोपड़ी) का पुनर्निर्माण नहीं किया जाए तो गांव मे अच्छी बारिश नहीं होती है। इसलिए साल में एक बार मिलकर इनकी कुटिया का पुनः निर्माण करते हैं ।

अजब-गजब

1 जुलाई से उपलब्ध होंगे आवेदन

अपने यहां बसने के लिए ये देश देगा 71 लाख रुपये, इच्छुक हैं तो फटाफट कर दें अप्लाई

कोरोना महामारी या उसके जैसी आपदाओं की वजह से अक्सर कई इलाके ऐसे होते हैं जो खाली हो जाते हैं। लोग उन जगहों को छोड़कर कहीं और चले जाते हैं। इस वजह से उन देशों की सरकारें इलाकों को फिर से बसाने के लिए काफी कोशिशें करती हैं। हाल ही में एक और देश की सरकार ने अपने कुछ आइलैंड्स को बसाने के लिए फैसला लिया है। आयरलैंड अपने देश में लोगों को शिफ्ट करने पर पैसे देने के लिए तैयार है।

रिपोर्ट्स के अनुसार आयरलैंड की सरकार अपने देश में शिफ्ट होने के लिए रुपये दे रही है। ये पहल देश की हमारे रहने वाले द्वीप नीति का हिस्सा है, जिसके माध्यम से आयरिश सरकार अपने द्वीपों की आबादी को बढ़ावा देने का लक्ष्य बना रही है। देश में कई दूर-दराज के आइलैंड हैं जो खाली हो चुके हैं। ये आइलैंड मुख्य देश से किसी ब्रिज के रास्ते नहीं जुड़े हुए हैं। सरकार चाहती है कि यहां पर लोग रहे हैं और इस नीति का उद्देश्य ये सुनिश्चित करना है कि टिकाऊ, जीवंत समुदाय आने वाले कई वर्षों तक अपतटीय द्वीपों पर रहना और फलना-फूलना जारी रख सकें। देश ने 30 ऐसे द्वीपों को चिन्हित किया है जहां पर लोगों को रुकवाया जाएगा। आपको बता दें कि सरकार यहां रहने आने वाले लोगों को करीब 80 हजार यूरो, या फिर 71 लाख रुपये देगी। चलिए अब आपको बताते हैं कि इस रुपये को हासिल करने के लिए आपको क्या करना पड़ेगा। निवासियों को द्वीपों पर एक संपत्ति खरीदनी होगी जो 1993 से पहले बनाई गई थी और कम से कम दो साल से खाली है। योजना के तहत दी जाने वाली धनराशि का उपयोग भवन निर्माण कार्य जैसे इन्सुलेशन स्थापित करने, संरचनात्मक सुधार और पुनर्विकास के लिए किया जा सकता है।

यदि आप एक अलग द्वीप में जाने के इच्छुक हैं, तो योजना के लिए आवेदन 1 जुलाई से उपलब्ध होंगे। परियोजना का उद्देश्य द्वीपों पर परित्यक्त और जीर्ण-शीर्ण संपत्तियों की बढ़ती संख्या को बचाना और पुनर्स्थापित करना है। उन द्वीपों में से कुछ काउंटी डोनेगल के तट पर अरनमोर हैं, जहां सुनहरी रेत और टेढ़ी-मेढ़ी चट्टानें हैं, या काउंटी मेयो के तट पर क्लेयर द्वीप है, जो केवल 160 लोगों की आबादी वाला इलाका है जिसे हाइकरों का स्वर्ग माना जाता है।

मणिपुर और कश्मीर जाकर हाल देखें पीएम : संजय राउत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मणिपुर और कश्मीर जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आरएसएस को मणिपुर के लोगों से डायलॉग करना चाहिए। विपक्ष के कमजोर पड़ने के सवाल पर राज्यसभा सांसद ने कहा, 23 जून को हम सब पटना में मिल रहे हैं। उद्धव ठाकरे यहां से जाएंगे, शरद पवार भी जाने वाले हैं, पूरे देश से लोग वहां आएंगे, हम वहां एक चर्चा करेंगे। हम सब एक साथ हैं और रहेंगे। उद्धव ठाकरे गुट के नेता ने एक दिन पहले ही पार्टी का साथ छोड़कर शिंदे खेमे में जाने वाली मनीषा कायंदे को कचरा बताया। राउत ने कहा, जाने दीजिए, क्या फर्क पड़ता है ? मुझे नहीं पता वह कहां से आई थी, कहां गई, उसे पार्टी में कौन लाया, मैं नहीं जानता कि किसने उसे एमएलसी पद दिया, ऐसे लोगों को मैं कचरा कहता हूं। महाराष्ट्र विधान परिषद की सदस्य मनीषा कायंदे ने रविवार (18 जून) को उद्धव का साथ छोड़ दिया था और शिंदे गुट वाली शिवसेना में शामिल हो गई थीं। कायंदे कहा था कि उन्होंने पार्टी नहीं बदली है, केवल नेतृत्व बदला है और बाला साहेब के हाथों स्थापित मूल शिवसेना में हैं, कायंदे ने उद्धव ठाकरे गुट पर महिलाओं से पैसे लेने का आरोप भी लगाया था।

उद्धव और शिंदे गुट मना रहे शिवसेना का स्थापना दिवस

आज 19 जून को उद्धव और शिंदे गुट दोनों ही शिवसेना का स्थापना दिवस मना रहे हैं। एकनाथ शिंदे की अगुआई वाली शिवसेना गोरेगांव स्थित नेस्को ग्राउंड में कार्यक्रम का आयोजन करेगी। वहीं, शिवसेना (यूबीटी) सेंट्रल मुंबई के सियोन में कार्यक्रम करने जा रही है। बीते साल हुई टूट में पार्टी दो हिस्सों में बंट गई थी। एकनाथ शिंदे वाली शिवसेना को चुनाव आयोग ने असली शिवसेना माना। जबकि उद्धव ठाकरे के गुट को शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नाम दिया गया।

आठ आईपीएस अधिकारियों का हुआ तबादला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार ने 8 आईपीएस अधिकारियों का तबादला कर दिया है। चार जिलों में तैनात पुलिस कमिश्नर इधर से उधर किए गए। वहीं, लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में तैनात नीलाब्जा चौधरी को कानपुर नगर कमिश्नरेट में तैनात किया गया है। प्रयागराज अपर पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट में तैनात आकाश कुलहरी को लखनऊ कमिश्नरेट भेजा गया है।

» चार जिलों में तैनात पुलिस कमिश्नर इधर से उधर

» आकाश कुलहरी बने ज्वाइंट सीपी लखनऊ

एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स लखनऊ में तैनात पवन कुमार को पुलिस उपायुक्त प्रयागराज बनाए गए। गौतमबुद्ध नगर कमिश्नरेट में तैनात रवि शंकर छवि को लखनऊ कमिश्नरेट में तैनात किया गया है। लखनऊ पुलिस उपमहानिरीक्षक में तैनात अमित वर्मा को अपर पुलिस उपायुक्त कमिश्नरेट कानपुर नगर में तैनात किया गया है। लखनऊ में पुलिस उपमहानिरीक्षक भष्ट्राचार में तैनात बबूल कुमार को गौतमबुद्ध नगर कमिश्नरेट भेजा गया है। गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट में सुनीति को पुलिस उपायुक्त के पद पर तैनात किया गया है। वहीं, प्रयागराज कमिश्नरेट में पवन कुमार को पुलिस उपायुक्त के पद पर तैनाती मिली है। गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट में नए एसीपी की तैनाती कर दी गई है। बबलू कुमार को अपर पुलिस आयुक्त गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट बनाया गया है।

वासु और बॉबी को दुबई में मिला सम्मान

» शेख राशिद ऑडिटोरियम में भव्य कार्यक्रम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इंडियन एम्बेसी यूएई द्वारा आयोजित आजादी का अमृत महोत्सव में बेगम अमीर हैदर अवार्ड फॉर एजुकेशन 2023 वासु सर्राफ (चेयरमैन इंडियन हाई स्कूल एवं डीपीएस, दुबई) को प्रदान किया गया तथा उज़ूमा हैदर अवार्ड फॉर जर्नलिस्म 2023 बॉबी नक़वी (वरिष्ठ पत्रकार गल्फ न्यूज़) को दिया गया।

कार्यक्रम शेख राशिद ऑडिटोरियम दुबई मे आयोजित हुआ। इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा एक मुशायरा एवं कवि सम्मेलन का आयोजन भी आयोजन किया गया। इसमे हिंदुस्तान, यूएई, इजिप्ट, आदि देश से आए कविओं ने कविता पाठ किया एवं हजारों की संख्या में भारतीय सम्मिलित हुए। इस अवसर पर अमन पुरी (हाइ कम्मीशनर), मेराज हैदर, पुष्कइन आगा, ओबैद ताहिर, काकुल आगा, मिलन सिंह, शाजिय किदवाई, फरहान वस्ती, एमाद मलिक, आदि लोग उपस्थित रहे।

बीजेपी को हराना जरूरी, नहीं तो हालात और होंगे खराब : मलिक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अलवर। अलवर दौरे पर आए जम्मू कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने एक बार फिर भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा को नहीं हराया, तो देश के और हालत खराब हो सकते हैं। मणिपुर हिंसा को लेकर उन्होंने कहा कि नार्थ ईस्ट में भाजपा इसी राज्य में चुनाव जीती है, आज वहां आगजनी में लोग और उनके घर जलाए जा रहे हैं। पीएम नरेंद्र मोदी कहां है? वे एक बार भी इस पर नहीं बोले।

पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने पीएम नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा जब अपना एक राज्य जल रहा है, तो अमेरिका जाने से क्या फायदा है। मणिपुर हिंसा पर प्रधानमंत्री ने एक बार भी नहीं बोला, जबकि भाजपा को जनता ने नॉर्थ ईस्ट में चुनाव जिताया था। दिल्ली में जंतर मंतर पर रेसलर के आंदोलन को लेकर सत्यपाल मलिक ने कहा कि जब वह पहलवान पदक जीतकर आती हैं तो प्रधानमंत्री उन्हें चाय पर बुलाते हैं, लेकिन जब वे आरोप लगाती हैं तो उनकी कोई सुनवाई नहीं होती।

उन बेटियों के साथ जो कुछ हुआ है वह गलत है। मैं चाहता हूं कि सभी पहलवान राजस्थान में आकर 3-4 मीटिंग करें और भाजपा की असलियत को बताएं।

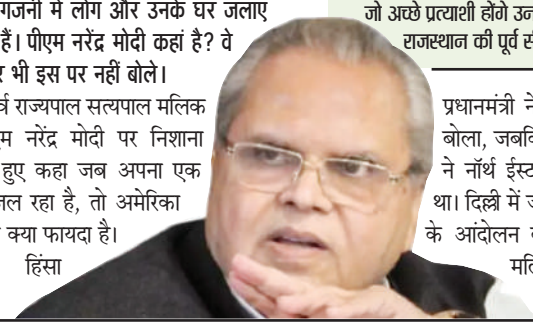

'महिला पहलवान राजस्थान में आकर करें सभा'

सत्यपाल मलिक ने कहा कि महिला पहलवान अगर राजस्थान में आकर भाजपा की केंद्र सरकार के खिलाफ सभा करें तो निश्चित रूप से केंद्र नाक रगड़ने पर आ जाएगा। खुद के चुनाव लड़ने को लेकर मलिक ने कहा कि वे ना तो किसी पार्टी में जाएंगे और ना ही चुनाव लड़ेंगे। हां, ये जरूर है कि जो अच्छे प्रत्याशी होंगे उनके लिए प्रचार करेंगे। राजस्थान की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे को लेकर सत्यपाल मलिक ने कहा कि वे एक अच्छी उम्मीदवार हैं, लेकिन भाजपा उनको लाएगी नहीं और उनके बिना प्रदेश में भाजपा आएगी नहीं। वहीं, गहलोत और सचिन पायलट के विवाद पर मलिक ने कहा कि ये आपसी विवाद है। इस बार कोशिश करेंगे कि जाट विधायकों को उनकी संख्या के आधार पर प्रतिनिधित्व मिले और सीएम पद पर भी दावेदारी की जाए।

जान ले रहीं गर्म हवाएं, उप्र में 80 मौतें

» बलिया में सबसे ज्यादा घटनाएं, अस्पताल मरीजों से भरे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर भारत गर्मी जानलेवा होती जा रही है। यूपी के पूर्वी हिस्से में सबसे ज्यादा लोगों ने जान गवांई है।लोग चिलचिलाती धूप से परेशान है। गर्मी की वजह से हालात ऐसे हो गए हैं कि लोग शाम में भी बाहर नहीं निकल रहे है। गर्म हवाओं ने लोगों का हाल बेहाल कर रखा है। इस बीच तीन राज्यों उत्तर प्रदेश, बिहार और ओडिशा में पिछले तीन दिनों में भीषण गर्मी के संपर्क में आने से दर्जनों लोगों की मौत हो गई है। बिहार, यूपी, ओडिशा में भीषण गर्मी और लू की वजह से करीब 100 से ज्यादा लोगों ने जान गंवा दी। यूपी, बिहार समेत उत्तर भारत इन दिनों गर्मी की चपेट में है।

यूपी और बिहार दोनों राज्यों में भीषण गर्मी पड़ रहीं है. यूपी के बलिया में 11 जून से अब तक जिला अस्पताल में कम से कम 83 लोगों की मौत हो गई है। जिनमें से 54 लोगों की मौत तापमान और गर्मी की वजह से हुई। बलिया के चीफ मेडिकल ऑफिसर ने इलाके के जिला मजिस्ट्रेट रविंद्र कुमार को रिपोर्ट भेजी थी। बताया गया था कि 15 जून को जिला अस्पताल में 154 मरीज भर्ती हुए थे। जिनमें से 23 की मौत हो गई। इसके बाद 16 जून को 137 मरीज भर्ती हुए थे, जिसमें 20 मरीज की मौत गई। वहीं 17 जून को 11 मरीजों की मौत हो गई।

बिहार और ओडिशा में 45 ने गंवाई जान

बिहार और ओडिशा भी भीषण गर्मी के प्रकोप में है. बिहार में 45 लोगों की मौत हुई। राज्य में 18 जून को अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। वहीं ओड़िशा में लू की वजह से 1 की मौत हुई है। यानी कि तीन राज्यों में गर्मी के चलते 100 से ज्यादा लोगों की जान चली गई।

पश्चिमी यूपी में आंधी-बारिश-बिजली की चेतावनी

लखनऊ। गर्मी के तल्ख तेवर जारी हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश में जहां लू के थपेड़े बेहाल कर रहे, वहीं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बारिश का दौर शुरू हो चुका है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक के मुताबिक, गोरखपुर को भीषण लू ने घेर रखा है। सोमवार को भी पूर्वी उत्तर प्रदेश में लू का प्रभाव देखने को मिल सकता है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में आगरा, सहारनपुर, बिजनौर आदि इलाकों में बारिश के चलते पारा 40 से नीचे बना हुआ है।

प्रदेश में पुलिस को मिला है फ्री हैंड: प्रशांत कुमार

एनडीटीवी के कार्यक्रम में बोले यूपी के स्पेशल डीजी लॉ एंड ऑर्डर, एनकाउंटर नहीं हमारी पॉलिसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पिछले कुछ दिनों से उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था लगातार चर्चा में बनी हुई है। फिर वो चाहे अपराधियों के एनकाउंटर को लेकर हो, या बुल्डोजर कार्यवाही को लेकर या फिर कोर्ट परिसर और पुलिस कस्टडी में अपराधियों की हो रही हत्याओं व गोलीबारी को लेकर हो। इसको लेकर कई तरह के सवाल भी उठते रहते हैं। इन सब सवालों के जवाब एनडीटीवी के एक कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के स्पेशल डीजी लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार ने दिए और विस्तार से बातचीत की।

स्पेशल डीजी लॉ एंड ऑर्डर ने कहा कि इतने बड़े प्रदेश में कानून व्यवस्था को संभालना एक मुश्किल काम है। उन्होंने कहा कि पिछले छह साल में माफियाओं पर कड़ी कार्रवाई की गई है। साथ ही स्पेशल डीजी ने साफ कहा कि पुलिस को पूरा फ्री हैंड है। उन्होंने बुल्डोजर एक्शन और एनकाउंटर पॉलिसी पर भी खुलकर बातचीत की।

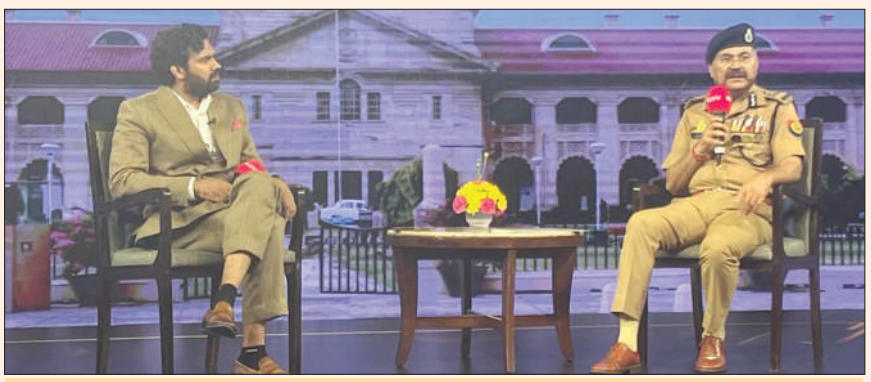

'कानून व्यवस्था में हमेशा और अच्छा करने की गुंजाइश'

वहीं कोर्ट परिसर में जज के सामने ही गोलियों से भूनकर की गई हत्या पर भी स्पेशल डीजी लॉ एंड ऑर्डर ने कहा कि ऐसा नहीं है कि अकेले यूपी में ही ये घटना हुई हो। उन्होंने कहा कि हत्या करने वाला अधिवक्ता था। सभी प्रदेशों में, नेशनल कैपिटल में भी कोर्ट में फायरिंग की घटनाएं हुई हैं। जांच हो रही है, गलती होगी तो सामने आएगी। प्रशांत कुमार ने यहां ये भी कहा कि जो सिस्टम में कमियां हैं, उन्हें दूर करेंगे। कानून व्यवस्था में हमेशा और अच्छा करने की गुंजाइश होती है।

अतीक-अशरफ की हत्या पर जांच चल रही

पुलिस कस्टडी में अतीक और अशरफ की हत्या के बारे में सवाल पर प्रशांत कुमार बचते नजर आए। उन्होंने कहा कि वह दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी। सरकार ने जांच के लिए न्यायिक आयोग का गठन किया। जांच चल रही है इसलिए इस बारे में कुछ कहना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि मेडिकल परीक्षण के दौरान उन्हें मीडिया से बात नहीं करनी थी। पुलिस कर्मियों ने आरोपियों को जिंदा पकड़ लिया। विवेचना चल रही है।

जाति-धर्म देखकर नहीं होती कार्रवाई

मजबूत कानून व्यवस्था के दौरान पिछले छह सालों से यूपी पुलिस पर पक्षपात पूर्ण कार्यवाही करने के भी आरोप लगते रहते हैं। इन आरोपों पर प्रशांत कुमार ने कहा कि यूपी में न्यायालय का पूरा सम्मान करते हुए पुलिस कानून के दायरे में कार्रवाई करती है। उन्होंने कहा कि पुलिस कार्रवाई करने में जाति और धर्म को नहीं देखती। उन्होंने कहा कि पुलिस की कार्रवाई किसी की जात, किसी का धर्म देखकर नहीं होती। कार्रवाई देखें तो स्पष्ट हो जाएगा।

बिना भेदभाव उतरवाए 90 हजार लाउडस्पीकर

वहीं धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर हटवाने से संबंधित सवाल पर स्पेशल डीजी लॉ एंड ऑर्डर ने कहा कि संवाद से ही समाधान निकलता है। ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए धार्मिक स्थलों से 90 हजार लाउडस्पीकर उतरवाए गए। सबका सहयोग मिलता है। सभी लेबल पर बात होती है। संवाद बनाएंगे तो लोग व्यवस्था बनाने में सहयोग करेंगे। हम समय-समय पर लोगों को याद भी दिलाते हैं। सार्वजनिक स्थल पर किसी धार्मिक आयोजन की परमीशन नहीं है।

एनकाउंटर प्रदेश की पॉलिसी नहीं

इस दौरान प्रदेश की एनकाउंटर पॉलिसी और छह साल में प्रदेश भर में लगभग 185 से भी ज्यादा एनकाउंटर होने पर भी स्पेशल डीजी लॉ एंड ऑर्डर ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि एनकाउंटर किसी प्रदेश की पॉलिसी नहीं हो सकती है और यूपी की भी नहीं है। यह सिर्फ एक नैरेटिव है। उन्होंने कहा कि अब तक गैंगस्टर एक्ट का सदुपयोग नहीं हो रहा था और अपराधियों ने सरकारी संपत्ति पर अपनी जमीनें बना रखी थीं। उन्होंने एनकाउंटर को सिर्फ एक छोटा सा सबसेट बताया।

कानून के दायरे में होती है बुलडोजर कार्रवाई

बातचीत के दौरान प्रशांत कुमार ने प्रदेश के बुलडोजर एक्शन पर भी अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह एक माहौल बनाया गया है कि ऐसा पुलिस करती है। स्पेशल डीजी लॉ एंड ऑर्डर ने कहा कि इसके लिए अलग एक्ट है। अगर आप सरकारी संपत्ति पर कब्जा करके कुछ बनाए हैं, तो वहां की लोकल बॉडी को प्रॉपर नोटिस जाती है और फिर कार्यवाही शुरू की जाती है। उन्होंने कहा हम मामले के प्रकाश में आने के बाद ही कानूनी तौर पर बुलडोजर एक्शन करते हैं।

पश्चिम बंगाल पंचायत चुनाव में हिंसा की 'सुप्रीम' सुनवाई कल

- हाईकोर्ट के आदेश को दी चुनौती
- राज्य चुनाव आयोग और ममता सरकार ने दाखिल की याचिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में चुनावी हिंसा का मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुका है, जिस पर 20 जून को सुनवाई होगी। राज्य चुनाव आयोग और ममता बनर्जी सरकार की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में इस हिंसा को लेकर याचिकाएं दायर की गई हैं। दोनों ही याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में एक साथ सुनवाई होगी।

दरअसल पश्चिम बंगाल में लगातार जारी हिंसा के बीच कलकत्ता हाई कोर्ट ने राज्य चुनाव आयोग को आदेश दिया था कि 48 घंटे में हर जिले में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती की जाए. इसके खिलाफ ममता सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की, वहीं राज्य चुनाव आयोग भी इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया।

टीएमसी और बीजेपी के आरोप

कलकत्ता हाई कोर्ट की तरफ से केंद्रीय बलों की तैनाती का आदेश जारी होने के बाद ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी ने इसका विरोध किया। टीएमसी नेताओं ने कहा कि केंद्रीय बलों के जरिए हमें प्रताड़ित करने की कोशिश की जाएगी, जिसे हम झेलने के लिए तैयार हैं, वहीं बीजेपी हिंसा को लेकर ममता सरकार को लगातार घेर रही है। ममता सरकार पर आरोप है कि वो विपक्षी दलों के उम्मीदवारों के खिलाफ ताकत का इस्तेमाल कर रही है और आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही. वहीं ममता बनर्जी का कहना है कि इस हिंसा में उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं का कोई हाथ नहीं है।

आठ जुलाई को पंचायत चुनाव

पश्चिम बंगाल में 8 जुलाई को पंचायत चुनाव के लिए वोट डाले जाएंगे जिसके बाद 11 जुलाई को वोटों की गिनती होगी। इस बार ममता की पार्टी टीएमसी के खिलाफ बीजेपी समेत तमाम क्षेत्रीय दलों ने गठबंधन किया है। बीजेपी का दावा है कि इस बार पंचायत चुनाव में उन्हें बड़ी जीत मिल रही है, वहीं ममता ने भी पूरा जोर लगाया है।

मणिपुर में फिर आगजनी गोलीबारी में जवान घायल

कांटो, संबल और चिंगमंग में पांच घरों को जलाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। मणिपुर में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। खबर आई है कि मणिपुर के कांटो संबल और चिंगमंग गांव में बीती रात जमकर गोलीबारी की गई। वहीं, कांटो संबल में पांच घरों में भी उग्रवादियों ने आग लगा दी। अलग-अलग इलाके से तोड़फोड़ और आगजनी की खबरें सामने आ रही हैं।

गोलीबारी की घटना में एक जवान भी घायल हुआ है। हालात को देखते हुए भारी संख्या में केंद्रीय बल तैनात हैं। सेना ने बताया कि 18 जून को देर रात हथियारों से लैस बदमाशों ने कांटो सबल से चिंगमंग गांव की ओर बिना वजह गोलीबारी शुरू कर दी। आम लोगों की सुरक्षा को देखते हुए सेना ने जवाबी फायरिंग की। इस दौरान गोली लगने से एक जवान भी घायल हो गया। उन्हें सैन्य अस्पताल लीमाखोंग ले जाया गया। फिलहाल, जवान की हालत स्थिर है।

उग्रवादियों ने किया हमला

वहीं, एक स्थानीय निवासी ने बताया कि कल रात 12 बजे संदिग्ध कुकी उग्रवादियों ने कांटो सबल पर अचानकर से गोलीबारी करना शुरू कर दिया। इतना ही नहीं, इन उग्रवादियों ने तोड़फोड़ भी की, वहीं पांच घरों को आग लगा दी। सेवानिवृत्त बीएसएनएल अधिकारी अमुथोई ने कहा कि शहर में भारी संख्या में केंद्रीय बलों को तैनात किया गया है।

वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी रवि सिन्हा बने रॉ चीफ

- सामंत गोयल की लेंगे जगह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी रवि सिन्हा को देश की खूफिया एजेंसी रॉ का नया चीफ नियुक्त करने की मंजूरी दे दी है। रवि सिन्हा, सामंत कुमार गोयल की जगह लेंगे, जिनका रॉ चीफ का कार्यकाल 30 जून को पूरा हो रहा है।

रवि सिन्हा का कार्यकाल दो साल के लिए होगा। रवि सिन्हा फिलहाल कैबिनेट सचिवालय में विशेष सचिव के पद पर सेवा दे रहे हैं। कैबिनेट की अपॉइंटमेंट कमेटी ने सिन्हा के नाम को मंजूरी दी है। रवि सिन्हा 1988 बैच के छत्तीसगढ़ कैडर के आईपीएस अधिकारी हैं। रवि सिन्हा से पहले सामंत गोयल का बतौर रॉ चीफ कार्यकाल कई उपलब्धियों भरा रहा। सामंत गोयल के रॉ चीफ रहते ही पाकिस्तान में बालाकोट एयरस्ट्राइक को अंजाम दिया गया। साथ ही जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाया गया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।